



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III — खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 24]

No. 24]

नई दिल्ली, शुक्रवार, फरवरी 22, 2008/फाल्गुन 3, 1929  
NEW DELHI, FRIDAY, FEBRUARY 22, 2008/PHALGUNA 3, 1929

महापत्रन प्रशुल्क प्राधिकरण

अधिसूचना

मुख्य, 21 फरवरी, 2008

सं. टीएएमपी/23/2007-जेएनपीटी.—महापत्रन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 48 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, महापत्रन प्रशुल्क प्राधिकरण एतद्वारा संलग्न आदेशानुसार जेएनपीटी में कंटेनर टर्मिनलों पर आईसीडी कंटेनरों के अंतर-टर्मिनल रेल प्रहस्तन प्रचालनों के लिए प्रभारों के संशोधन हेतु जवाहरलाल नेहरू पत्रन न्यास के प्रस्ताव का निपटान करता है।

महापत्रन प्रशुल्क प्राधिकरण

मामला सं. टीएएमपी/23/2007-जेएनपीटी

जवाहरलाल नेहरू पत्रन न्यास

आवेदक

आदेश

(जनवरी, 2008 के 28वें दिन पारित)

यह मामला जेएनपीटी में अंतर्राष्ट्रीय निकासी डिपो (आईसीडी) कंटेनरों के अंतर-टर्मिनल रेल प्रहस्तन प्रचालनों (आईटीआरएचओ) के लिए प्रभारों के संशोधन हेतु जवाहरलाल नेहरू पत्रन न्यास (जेएनपीटी) से प्राप्त प्रस्ताव से संबंधित है।

2. इस प्राधिकरण ने अपने आदेश दिनांक 28 जून, 2007 द्वारा जेएनपीटी, न्हावा-शेवा इंटरनेशनल कंटेनर टर्मिनल लिमिटेड (एनएसआईसीटी), और गेटवे टर्मिनल्स (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड (जीटीआईपीएल) के टर्मिनलों पर रेल द्वारा संचालित आईसीडी कंटेनरों की संपूर्ण मात्रा पर आईटीआरएचओ के लिए तदर्थ आधार पर 15 फरवरी, 2007 से 14 अगस्त, 2007 तक ₹ 0.400/- प्रति टीईयू की अतिरिक्त राशि की वसूली के लिए जेएनपीटी का प्रस्ताव अनुमोदित किया था। यह दर 15 फरवरी, 2007 से प्रत्येक छह माह में समीक्षा किए जाने की शर्त पर थी।

3.1. जेएनपीटी को आदेश दिनांक 28 जून, 2007 द्वारा सलाह दी गई थी कि वह 14 अगस्त, 2007 के बाद की अवधि के लिए अपने टर्मिनल और एनएसआईसीटी और जीटीआईपीएल पर आईटीआरएचओ के लिए प्रभार्य दर के निर्धारण के लिए लागत और अन्य प्रासंगिक व्यापे भेजे। इस प्राधिकरण ने भी इच्छा व्यक्त की थी कि वही कोर समिति 15 अगस्त, 2007 से अगले छह माह के लिए वसूल की जाने वाली दर पर विचार करे जिसने ₹ 0.400/- प्रति टीईयू की दर की सिफारिश की थी। इस परिप्रेक्ष्य में, जेएनपीटी ने अपने पत्र दिनांक 30 जुलाई, 2007 द्वारा 15 अगस्त, 2007 से 14 फरवरी, 2008 तक की छह माह की अवधि के लिए ₹ 0.440/- प्रति टीईयू की वसूली का अपना प्रस्ताव दाखिल किया था। जेएनपीटी द्वारा अपने प्रस्ताव दिनांक 30 जुलाई, 2007 में कही गई मुख्य बातें निम्नवत् हैं:

- (i). जेएन पत्तन टर्मिनलों के माध्यम से गुजरने वाली संपूर्ण आईसीडी मात्रा के 30 प्रतिशत पर विचार करते हुए, 15 फरवरी, 2007 से 14 अगस्त, 2007 तक की अवधि के लिए ₹ 400/- प्रति टीईयू की दर वसूल की जा रही है।
- (ii). 15 फरवरी, 2007 से 14 जुलाई, 2007 तक की अवधि के लिए जेएन पत्तन टर्मिनलों में प्रहस्तित किए जा रहे वर्तमान कार्गो मिश्रण के ब्यारे नीचे दिए गए हैं:

माह	जेएनपीटी में प्रहस्तन (टीईयू में)		
	कुल	मिश्रित	प्रतिशत
15 से 28 फरवरी, 2007	35948	10236	28.47%
मार्च, 2007	78078	25259	32.35%
अप्रैल, 2007	72176	25532	35.37%
मई, 2007	76188	23985	31.48%
जून, 2007	75616	21213	28.05%
1 से 14 जुलाई, 2007	38052	12028	31.61%
	376058	118253	31.45%*

\*32% में पूर्णांकित

- (iii). प्रत्येक टर्मिनल अर्थात् जेएनपीसीटी, एनएसआईसीटी और जीटीआईपीएल पर प्रहस्तन लागत में भिन्नताएँ हैं। चूंकि आईटीआरएचओ सेवाएं सभी तीन टर्मिनलों के लिए समान हैं, इसलिए अगले छह महीनों के लिए उपयुक्त और संगत नई दर पर पहुंचने के लिए प्रत्येक टर्मिनल में प्रचलित दरों पर आधारित औसत आधार दर की परिणामना करने का प्रस्ताव किया गया है। तदनुसार, आईटीआरएचओ के अधीन अतिरिक्त गतिविधियाँ घलाने के लिए संशोधित औसत आधार दर ₹ 1260/- प्रति टीईयू तय की गई है।

टर्मिनल	दर रूपयों में
जेएनपीसीटी	1105.00
एनएसआईसीटी	1144.00
जीटीआईपीएल	1534.00
औसत	1261.00*

\*₹ 1260/- में पूर्णांकित

- (iv). ₹ 1260/- प्रति टीईयू की संशोधित आधार दर के आधार पर, 15 अगस्त, 2007 से 14 फरवरी, 2008 तक अगले छह माह के लिए वसूल की जाने वाली नई दर नीचे दिए गए अनुसार होगी:

प्रक्षेपित कुल मात्रा टीईयू में	संभावित आईसीडी मात्रा टीईयू में (का 30%)	मिश्रित कार्गो का %	मिश्रित मात्राओं का प्रहस्तन टीईयू में (ख का % में)	मिश्रित कार्गो के लिए अतिरिक्त लागत (₹. = 1260*घ)	अतिरिक्त लागत की वसूली प्रति टीईयू	पूर्णांकित (रूपयों में)
क	ख	ग	घ	ड.	च=ड./ख	छ
		0-12	118800	149688000	151	150
		12.1-18	178200	224532000	227	230
		18.1-24	237600	299376000	302	300
		24.1-30	297000	374220000	378	375
		30.1-35	346500	436590000	441	440
		35.1-40	396000	498960000	504	500
		40.1-45	445500	561330000	567	560
		45.1-50	495000	623700000	630	630
3300000	990000					

- (v). 15 फरवरी, 2007 से 14 जुलाई, 2007 तक जेएन पत्तन टर्मिनलों में कॉनकॉर द्वारा आपूर्ति देनों के प्रतिशत निम्नवत् हैं:

माह	जेएनपीटी में प्रहस्तित देनों की सं.				
	कुल	मिश्रित	प्रतिशत	विनियुक्त	प्रतिशत
15-28 फरवरी 07	215	166	77.21%	49	22.79%
मार्च 2007	453	380	83.89%	73	16.11%
अप्रैल 2007	442	381	86.20%	61	13.80%
मई 2007	484	393	81.20%	91	18.80%
जून 2007	465	366	78.71%	99	21.29%
1-15 जुलाई 07	233	205	87.98%	28	12.02%
कुल	2292	1891	82.50%	401	17.50%

- (vi). इस मुद्दे पर विस्तार से चर्चा की गई है और एनएसआईसीटी और जीटीआईपीएल ने आईटीआरएचओ सेवाओं के लिए रु0 440/- प्रति टीईयू की वसूली के लिए सहमति दे दी है।
- (vii). 15 अगस्त, 2007 से 14 फरवरी, 2008 तक आईसीडी कंटेनरों के लिए आईटीआरएचओ सेवाओं के लिए जेएन पत्तन टर्मिनलों के माध्यम से गुजरने वाले आईसीडी कंटेनरों की संपूर्ण मात्रा पर रु0 440/- प्रति टीईयू वसूली का प्रस्ताव किया गया है।
- (viii). इसके अलावा, एनएसआईसीटी और जीटीआईपीएल के साथ विचार-विमर्श से, मिश्रित ट्रेनों के लिए घुमाव समय का औसतन 8 घंटे प्रति ट्रेन रूप में तल-चिह्न स्तर निर्धारित करने का प्रस्ताव किया गया है (तथापि, उद्यम को कम से कम संभव समय में ट्रेनों का प्रहस्तन करना होगा) बशर्ते ट्रेन प्रचालक को निम्नलिखित की पूर्ति करनी होगी:
- (क). ट्रेन आगमन से कम-से-कम 24 घंटे पहले ट्रेन पूर्वानुमान, अग्रिम ट्रेन सार, स्थानापन्न टर्मिनल का प्रावधान।
  - (ख). केवल तत्संबंधी टर्मिनलों पर विनियुक्त रैकों का स्थानापन्न।
  - (ग). तत्संबंधी टर्मिनलों की आईसीडी मात्रा के अनुसार आईसीडी बक्सों के प्रहस्तन में संतुलन बनाना।
  - (घ). तत्संबंधी एजेंसियों को सही और समयानुसार सूचना देना।
  - (ङ). प्रचलित विलंबन स्तर के अनुपात में ट्रेनों की पर्याप्त संख्या लगाते हुए सुगम प्रचालनों के लिए प्रत्येक टर्मिनल प्रचालक की अधिकतम आईसीडी वस्तुसूची जेएनपीसीटी और जीटीआईपीएल के मामले में 2500 टीईयू तथा एनएसआईसीटी के मामले में 2000 टीईयू से अधिक नहीं होगी, ऐसा नहीं होने पर इसे सुपुर्दिर्गियों/लदाई और ट्रेन घुमाव समय जिसके लिए पत्तन टर्मिनलों को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता, के दौरान प्रथम आगत प्रथम निकासी (एफआईएफओ) के सिद्धांत पर कई उपशाखा करने होंगे।
  - (च). लुधियाना, दादरी, नागपुर आदि जैसे प्रमुख आईसीडी गंतव्यों से/पर जोकि जेएनपीटी के माध्यम से गुजरने वाली कुल आईसीडी मात्रा का 80 प्रतिशत होता है, अधिकतम संभव विनियुक्त ट्रेनों का प्रावधान करना।
  - (छ). संसाधनों के सर्वोत्तम उपयोग के लिए उस टर्मिनल विशेष से उस ट्रेन पर और से ले जाए जा रहे कंटेनरों की संख्या के आधार पर रेलवे और पत्तन टर्मिनलों के साथ समन्वय से टर्मिनल विशेष पर ट्रेनों के स्थानापन्न की योजना।

3.2. चूंकि छह माह की अवधि के लिए रु0 440/- प्रति टीईयू की दर के निर्धारण के लिए जेएनपीटी द्वारा दाखिल प्रस्ताव दिनांक 30 जुलाई, 2007 में इस प्रयोजन के लिए पत्तन द्वारा गठित कोर समिति की सिफारिशों को शामिल नहीं किया गया था, इसलिए हमारे पत्र दिनांक 3 अगस्त, 2007 द्वारा जेएनपीटी से अनुरोध किया गया था कि कोर समिति की बैठक के कार्यवृत्त और प्रस्तावित दर पर कोर समिति की सिफारिशें भेजी जाएं।

4.1. एक अनुस्मारक के पश्चात, जेएनपीटी ने अपने पत्र दिनांक 23 अक्टूबर, 2007 द्वारा अपना प्रत्युत्तर भेज दिया था जोकि नीचे सारबद्ध किया गया है:

- (i). कोर समिति ने 27 अगस्त, 2007 को हुई बैठक में आईटीआरएचओ के लिए 15 अगस्त, 2007 से वसूल की जाने वाली नई दर के मामले पर विस्तार से विचार किया था और इन मुद्दों को शेयरधारकों के बीच हल किए जाने तक 15 अगस्त, 2007 से 14 नवम्बर, 2007 तक और 3 माह की अवधि के लिए जेएनपीटी टर्मिनलों के माध्यम से गुजरने वाली संपूर्ण आईसीडी मात्रा पर रु0 400/- प्रति टीईयू की वसूली को यथारित बनाए रखने की सिफारिश की थी।
- (ii). संपूर्ण आईसीडी मात्रा पर रु0 400/- प्रति टीईयू की वसूली का सिद्धांत कोर समिति द्वारा शेयरधारकों के साथ विचार-विमर्श से निश्चित किया गया था व्यापारिक रु0 1300/- प्रति टीईयू पर अन्य टर्मिनल के लिए एक टर्मिनल द्वारा मिश्रित कंटेनर का प्रहस्तन करने के समय शामिल वास्तविक अतिरिक्त लागत अधिक मानी गई थी और व्यापार को स्वीकार्य नहीं था।
- (iii). इस प्राधिकरण द्वारा अनुमोदित संपूर्ण आईसीडी मात्रा पर प्रति टीईयू प्रहस्तन लागत के परिकलन का सही सिद्धांत पूछा जा रहा है।
- (iv). मिश्रित ट्रेनों का प्रहस्तन अपरिहार्य है। टर्मिनलों को मिश्रित ट्रेन द्वारा पहुंचाए गए कंटेनर के प्रहस्तन में अतिरिक्त गतिविधि किए जाने के लिए प्रहस्तन लागत की क्षतिपूर्ति किए जाने की आवश्यकता होगी। आईटीआरएचओ के कार्यान्वयन से पहले इसपर सभी सहमत थे।
- (v). मिश्रित ट्रेनों और विनियुक्त ट्रेनों के औसत घुमाव समय में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।
- (vi). जुलाई और अगस्त, 2007 के दौरान, केवल 50 प्रतिशत ट्रैक अभिग्रहण के साथ क्रमशः 535 और 571 ट्रेने प्रहस्तित की गई थीं। औसतन जेएनपीटी 50 प्रतिशत ट्रैक अभिग्रहण के साथ जुलाई और अगस्त, 2007 के दौरान प्रतिदिन 18 से 19 ट्रेनों का प्रहस्तन कर रहा है। यह दर्शाता है कि पत्तन टर्मिनल बिना किसी मुश्किल के प्रतिदिन 25 से 30 ट्रेनों का प्रहस्तन कर सकते हैं, यदि आपूर्ति की जाती है।

- (vii). (क). मिश्रित कंटेनर का औसत प्रतिशत 38 प्रतिशत मिश्रित कंटेनर की सीमा में होगा। जेएनपीटी दरमान के अनुसार, यदि 38 प्रतिशत मिश्रित कंटेनर को लेखा में लिया जाए तो प्रत्येक टीईयू पर वसूल की जाने वाली नई दर ₹ 500/- होगी। एनएएसए द्वारा दिए गए सुझाव के अनुसार और एनएसआईसीटी तथा जीटीआईपीएल के साथ विचार-विमर्श से, 6 माह के नियमित अंतराल पर आईटीआरएचओ के लिए दर की वसूली करने की बजाय प्रशुल्क मद को पृथक मद रूप में जोड़ने का प्रस्ताव किया गया है। तदनुसार, तीन टर्मिनलों पर आईसीडी कंटेनरों के प्रहस्तन के लिए दरमान में प्रशुल्क में बदलाव किया गया है।

(ऑकड़े रूपयों में सेवा कर अतिरिक्त)

टर्मिनल	वर्तमान आईसीडी प्रशुल्क		100% मिश्रित ट्रेनों पर विचार करते हुए वसूल किए जाने वाले आईटीआरएचओ प्रभार को लेखा में लेते हुए नया आईसीडी प्रशुल्क*	
	20°	40°	20°	40°
जेएनपीसीटी	1105.00	1657.00	1605.00	2657.50
एनएससीआईटी	1144.00	1716.00	1644.00	2716.00
जीटीआईपीएल	1534.00	2301.00	2034.00	3301.00

\* इन प्रभारों में ₹ 500/- प्रति टीईयू की दर से आईटीआरएचओ प्रभार शामिल हैं।

जब 100 प्रतिशत मिश्रित ट्रेनों का सूजन 40 प्रतिशत कंटेनर मिश्रण के साथ परिकल्पित किया गया है, विभिन्न आईसीडी से जोकि बिना पर्याप्त संभावना के बढ़ रहे हैं, कैरियर द्वारा सृजित/वहनित आयातों और निर्यातों के बीच असंतुलन के कारण 40 प्रतिशत से अधिक कंटेनर मिश्रण की हर संभावना है।

(ख). यदि कंटेनर मिश्रण 40 प्रतिशत से अधिक होता है तो मिश्रित ट्रेन के प्रहस्तन के समय निष्पादित अतिरिक्त गतिविधियों के आधार पर तत्संबंधी टर्मिनल के प्रशुल्क के अनुसार संपूर्ण आईसीडी मात्रा पर आईटीआरएचओ प्रभार वसूल करने की बजाय टर्मिनलों को आईटीआरएचओ के अधीन प्रति मिश्रित कंटेनर

प्रहस्तन प्रभारों की वसूली की अनुमति दी जाएगी। उस मामले में, टर्मिनलों के लिए प्रति मिश्रित कंटेनर वसूल किया जाने वाला आईटीआरएचओ प्रभार निम्नवत् होगा:

(ऑकड़े रूपयों में)

क्रम सं.	अतिरिक्त गतिविधियाँ	प्रति मिश्रित बॉक्स वसूल किए जाने वाले प्रभार		
		जेएनपीसीटी	एनएसआईसीटी	जीटीआईपीएल
1	बफर यार्ड को परिवहन	425	440	590
2	बफर यार्ड (लिफ्ट-ऑफ) में आरटीजीसी द्वारा उत्तराई	340	352	472
3	आरटीजीसी (लिफ्ट-ऑन) द्वारा बफर यार्ड से टीटी पर लदाई	340	352	472
	कुल	1105	1144	1534

(viii). कोर समिति का दायरा अतिरिक्त गतिविधि के निष्पादन में अतिरिक्त लागत पर पहुंचने तक सीमित था। जेएनपीटी टर्मिनलों पर मिश्रित ट्रेनों के प्रहस्तन के समय अतिरिक्त गतिविधि के निष्पादन के लिए कंटेनर मिश्रण के आधार पर प्रति टीईयू लागत निर्धारित करने की कार्यपद्धति पर पहुंच कर, जिसे टीएएमपी और उपयोक्ताओं द्वारा स्वीकार किया गया था, कोर समिति का निर्धारित कार्य समाप्त हो जाता है। कोर समिति को तत्काल प्रभाव से भंग कर दिया जाएगा।

4.2. उपर्युक्त के आलोक में, जेएनपीटी ने इस प्राधिकरण से निम्नलिखित के लिए अनुमोदन प्रदान करने का अनुरोध किया है:

- 15 अगस्त, 2007 से 14 नवम्बर, 2007 तक अगले तीन माह की अवधि के लिए संपूर्ण आईसीडी मात्रा पर ₹ 400/- प्रति टीईयू वसूल करने की यथास्थिति बनाए रखी जाए।
- (क). उपर्युक्त अनुच्छेद 6.1.(vii) (क) पर तालिका के अनुसार 15 नवम्बर, 2007 से आईसीडी कंटेनरों के प्रहस्तन के लिए आईटीआरएचओ प्रभारों सहित नई दरें वसूल करना।
- (ख). उपर्युक्त 6.1.(vii) (ख) पर तालिका के अनुसार मिश्रित कंटेनर के लिए प्रहस्तन प्रभारों की वसूली करना, यदि कंटेनर मिश्रण का औसत प्रतिशत 40 प्रतिशत से अधिक होता है।
- (ग). उपर्युक्त को जेएनपीटी, एनएसआईसीटी और जीटीआईपीएल के दरमान में शामिल करना।

5. तदर्थ आधार पर ₹ 400 प्रति टीईयू की दर के अनुमोदन के लिए इस प्राधिकरण के समक्ष कार्यवाहियों के दौरान उपयोक्ताओं ने तर्क दिया था कि विनियुक्त कंटेनर टर्मिनलों पर आईसीडी कंटेनरों की सुपुर्दीर्घी देना कॉनकॉर की जिम्मेदारी है। कॉनकॉर से अनुरोध किया गया था कि वह मिश्रित ट्रेनों द्वारा लाए जाने वाले आईसीडी कंटेनरों की सुपुर्दीर्घी के संबंध में अपने सांविदिक दायित्व को स्पष्ट करे। जेएनपीटी ने दावा किया है कि कॉनकॉर अंतर्देशीय मार्ग बिल उस टर्मिनल को स्पष्ट रूप से

दर्शते हुए जारी करता है जहां इसे अंत में सुपुर्द किए जाने की आवश्यकता होती है, इसलिए, यह कॉनकॉर के लिए प्राथमिक जिम्मेदारी है कि वह तत्संबंधी पत्तन टर्मिनलों में कंटेनर का वहन/लदाई करे। तथापि, कॉनकॉर का कहना है कि कंटेनरों के रेल परिवहन के लिए कॉनकॉर द्वारा जारी किया गया बिल इसके अंतिम रेल हैड गतव्य पर कंटेनरों की सुपुर्दगी के लिए है। रेलवे साइडिंग सभी टर्मिनलों नामतः जेएनपीटी, एनएसआईसीटी और जीटीआईपीएल के लिए एकसमान है, इसलिए, विशिष्ट टर्मिनल पर कंटेनरों की सुपुर्दगी की जिम्मेदारी पत्तन की है।

<sup>6</sup> इस सामले की कार्यवाही के दौरान एकत्र वी गई समग्र सूचना के संदर्भ में निम्नलिखित स्थिति प्रकट होती है:

- (i). जेएनपीटी में जेएनपीटी और निजी टर्मिनल जानते हैं कि आदेश दिनांक 28 जून, 2007 द्वारा अनुमोदित 400/- प्रति टीईयू की दर की वैधता 14 अगस्त, 2007 को समाप्त होगी। 14 अगस्त, 2007 के बाद की अवधि 400/- के लिए दर के निर्धारण हेतु 20 जुलाई, 2007 तक कोर समिति की सिफारिश के साथ, जिसने रु 400/- के प्रति टीईयू की दर की सिफारिश की थी, एक प्रस्ताव दाखिल करने के लिए जेएनपीटी को दी गई सलाह के बावजूद, इस प्राधिकरण को जेएनपीटी से उसके पत्र दिनांक 30 जुलाई, 2007 द्वारा रु 440/- प्रति टीईयू की दर वसूल करने के लिए प्रस्ताव प्राप्त हुआ था जिसके साथ कोर समिति की सिफारिश भी नहीं लगाई गई थी। दर वसूल करने के लिए प्रस्ताव प्राप्त हुआ था जिसके साथ कोर समिति की सिफारिश के बिना दिनांक 30 जुलाई, 2007 के प्रस्ताव में पत्र दिनांक 3 अगस्त, 2007 द्वारा कोर समिति की सिफारिश प्राप्त करने के लिए पत्तन ने कदम केवल अपूर्णता का उल्लेख किया गया था कि कोर समिति की सिफारिश प्राप्त करने के लिए पत्तन ने कदम उठाए हैं। कोर समिति की सिफारिशों अक्तूबर, 2007 में इस प्राधिकरण की जानकारी में लाई गई थीं।

(ii). (क). मिश्रित ट्रेनों द्वारा लाए गए आईसीडी कंटेनरों की विनियुक्त कंटेनर टर्मिनलों को सुपुर्दर्गी के संबंध में कॉनकॉर के साविदिक दायित्व के संदर्भ में कॉनकॉर और जेएनपीटी के बीच मतभेद है। इस मुद्दे का कॉनकॉर और जेएनपीटी के बीच समाधान निकाला जाना चाहिए।

(ख). ट्रेनों के स्थानापन के संदर्भ में, जेएनपीटी ने स्पष्ट रूप से उल्लेख किया है कि उसने किसी लाइन विशेष पर ट्रेनों के स्थानापन पर कोई पाबन्दी अधिरोपित नहीं किया है। पत्तन द्वारा यथा उल्लिखित, रेलवे कैरियर के सहयोग से किसी लाइन विशेष पर ट्रेन के स्थानापन के लिए सहमत है।

(iii). जेएनपीटी ने अपने पत्र दिनांक 23 अक्तूबर, 2007 द्वारा, साथ-ही-साथ, 15 अगस्त, 2007 से 14 नवम्बर, 2007 तक 3 माह की अवधि के लिए संपूर्ण आईसीडी मात्रा पर रु 400/- प्रति टीईयू की वसूली की यथास्थिति बनाए रखने का प्रस्ताव किया था। यह उल्लेखनीय है कि कोर समिति, जिसने पहले 15 फरवरी, 2007 से 14 अगस्त, 2007 तक 47 माह की अवधि के लिए रु 400/- प्रति टीईयू की दर की सिफारिश की थी, ने भी शेयरधारकों द्वारा इन मुद्दों को हल किए जाने तक, 15 अगस्त, 2007 से 14 नवम्बर, 2007 तक और 3 माह शेयरधारकों द्वारा इन मुद्दों को हल किए जाने तक, 15 अगस्त, 2007 से 14 नवम्बर, 2007 तक और 3 माह अवधि के लिए जेएनपीटी में टर्मिनलों के माध्यम से गुजरने वाली संपूर्ण आईसीडी मात्रा पर रु 400/- की अवधि के लिए जेएनपीटी की सिफारिश की है।

(iv). (क). 15 फरवरी, 2007 से 14 नवम्बर, 2007 तक की अवधि के लिए पहले अनुमोदित रु 400/- प्रति टीईयू की दर और 15 अगस्त, 2007 से 14 नवम्बर, 2007 तक और 3 माह की अवधि के लिए रु 400/- की दर के विस्तारण के लिए जेएनपीटी का वर्तमान प्रस्ताव पृथक्कृत गतिविधियों के लिए अनुमोदित रु 1300/- के समेकित प्रभार के आधार पर प्राप्त दर है।

(ख). चूंकि दरमान में प्रकट हो रहे पृथक्कृत प्रचालनों के लिए प्रशुल्क संदर्भित अलग-अलग सेवाएं प्रदान करने की लागत पर आधारित नहीं है, परंतु टर्मिनलों की समग्र लागत/साजरव स्थिति की संख्या पर प्राप्त है, इसलिए इस प्राधिकरण ने 14 अगस्त, 2007 तक की अवधि के लिए तदर्थ दर अनुमोदित करते हुए अपने पूर्ववर्ती आदेश में पत्तन को अनुगामी अवधि के लिए लागत व्योरों के साथ अपना प्रस्ताव दाखिल करने का निर्देश दिया था। तथापि, अब प्राप्त प्रस्ताव के साथ कोई लागत विश्लेषण नहीं लगाया गया है परंतु पृथक्कृत प्रचालनों के लिए लागू प्रशुल्क और मिश्रित ट्रेन के अनुपात पर विश्वास किया जाता है। प्रासंगिक गतिविधियां, जोकि तत्संबंधी दरमान निर्धारित करते समय पृथक्कृत आवश्यकताएं मानी गई थीं, अब मिश्रित ट्रेनों के प्रहस्तन जोकि तत्संबंधी दरमान निर्धारित करते समय पृथक्कृत आवश्यकताएं मानी गई थीं, अब मिश्रित ट्रेनों के लिए लागत के संदर्भ में इन दरों के मामले में नियमित आधार पर प्रदान की जा रही है। अतः सेवाएं प्रदान करने की लागत के संदर्भ में इन दरों की समीक्षा किए जाने की आवश्यकता है; और, जैसाकि पहले उल्लेख किया गया है, पत्तन द्वारा ऐसा कोई विश्लेषण उपलब्ध नहीं करवाया गया है। किन्तु इस तथ्य को स्वीकार करते हुए कि टर्मिनलों द्वारा संबद्ध सेवा प्रदान की जा रही है और कोर समिति, जिसमें टर्मिनलों और प्रमुख पत्तन उपयोक्ताओं के प्रतिनिधि शामिल होते हैं, ने वर्तमान तदर्थ दर को 14 नवम्बर, 2007 तक जारी रखने का समर्थन किया है, यह प्राधिकरण तदर्थ दर की वैधता कुछ और समय के लिए बढ़ाता है।

(v). 14 नवम्बर, 2007 से आगे प्रशुल्क व्यवस्था के लिए जेएनपीटी का प्रस्ताव पहले अपनाई गई कार्यपद्धति से थोड़ा भिन्न है। यह ज्यादा महत्वपूर्ण है कि इस प्रस्ताव के साथ कोई लागत विश्लेषण नहीं लगाया गया है, जोकि प्रस्तावित दरों को न्यायोचित ठहराने के लिए आवश्यक है। अतः यह प्रस्ताव जेएनपीटी को इस सलाह के साथ वापस किया जा रहा है कि लागत विश्लेषण के साथ विस्तृत प्रस्ताव दिनांक 31 मार्च, 2008 तक दाखिल किया जाए। जब ऐसा प्रस्ताव प्राप्त होगा, तब इसपर सामान्य परामर्शी प्रक्रिया का अनुसरण करते हुए कार्यवाही की जाएगी।

- (vi). हालांकि पत्तन ने ₹० 400/- प्रति टीईयू की पूर्ववर्ती दर के बल 14 नवम्बर, 2007 तक जारी रखने का प्रस्ताव किया है, यह प्राधिकरण, जेएनपीटी द्वारा दाखिल किए जाने वाले प्रस्ताव पर कार्यवाही करने के लिए अपेक्षित समय पर विचार करते हुए, वर्तमान दर की वैधता को दिनांक 30 जून, 2008 तक बढ़ाने का निर्णय लेता है।
- (vii). रेल द्वारा संचालित आईसीडी कंटेनरों के मामले में 14 नवम्बर, 2007 के बाद की अवधि के लिए प्रशुल्क व्यवस्था हेतु उसके पत्र दिनांक 23 अक्टूबर, 2007 में शामिल जेएनपीटी के अन्य प्रस्तावों के साथ कोर समिति की सिफारिशें नहीं हैं, इस प्रकार, उन्हें निपटान के लिए पृथक् कार्यवाही में लिए जाने की आवश्यकता है।
7. परिणामस्वरूप, और उपर्युक्त कारणों से तथा समग्र विचार-विमर्श के आधार पर, यह प्राधिकरण निम्नलिखित अनुमोदित करता है:
- (i). आदेश दिनांक 28 जून, 2007 द्वारा अनुमोदित जेएनपीटी, एनएसआईसीटी और जीटीआईपीएल के टर्मिनल पर रेल द्वारा संचालित आईसीडी कंटेनरों के अंतर-टर्मिनल रेल प्रहस्तन प्रचालनों के लिए ₹० 400/- प्रति टीईयू की दर की वैधता को 15 अगस्त, 2007 से 30 जून, 2008 तक की अवधि के लिए बढ़ाया गया है। जेएनपीटी, एनएसआईसीटी और जीटीआईपीएल के दरमान तदनुसार संशोधित किए गए हैं।
- (ii). जेएनपीटी को लागत व्यारों के साथ सही प्रकार से विश्लेषित प्रस्ताव दिनांक 31 मार्च, 2008 तक दाखिल करने का निर्देश दिया जाता है।

ब्रह्म दत्त, अध्यक्ष

[विज्ञापन III/4/143/07/असा.]

## TARIFF AUTHORITY FOR MAJOR PORTS NOTIFICATION

Mumbai, the 21st February, 2008

**No. TAMP/23/2007-JNPT.**—In exercise of the powers conferred by Section 48 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Tariff Authority for Major Ports hereby disposes of the proposal of Jawaharlal Nehru Port Trust for revision of charges for Inter Terminal Rail Handling Operations of ICD Containers at the Container Terminals in JNPT, as in the Order appended hereto.

**Tariff Authority for Major Ports**

**Case No. TAMP/23/2007-JNPT**

**The Jawaharlal Nehru Port Trust**

**Applicant**

### ORDER

(Passed on this 28th day of January, 2008)

This case relates to a proposal from Jawaharlal Nehru Port Trust (JNPT) for revision of charges for Inter Terminal Rail Handling Operations (ITRHO) of Inland Clearance Depot (ICD) containers at JNPT.

2. This Authority vide its Order dated 28 June 2007 approved the proposal of JNPT to levy an additional amount of Rs.400/- per TEU from 15 February 2007 to 14 August 2007 on ad-hoc basis towards ITRHO on the entire volume of ICD containers moved by rail at the terminals of JNPT, Nhava Sheva International Container Terminal Limited (NSICT) and Gateway Terminals (India) Private Limited (GTIPL). This rate was subject to review every six months from 15 February 2007.

3.1 The JNPT was advised vide Order dated 28 June 2007 to furnish cost and other details relevant for fixation of rate leviable for ITRHO at its terminal and at NSICT and GTIPL for the period subsequent to 14 August 2007. This Authority also desired that the same Core Committee, which recommended the rate of Rs.400 per TEU, might consider the rate to be levied for next six months from 15 August 2007. In this backdrop, the JNPT vide its letter dated 30 July 2007 has filed its proposal to levy Rs.440/- per TEU for the six months period from 15 August 2007 to 14 February 2008. The main points made by JNPT in its proposal dated 30 July 2007 are as follows:

- (i). The rate of Rs.400/- per TEU is being levied for the period from 15 February 2007 to 14 August 2007, by considering 30% of the entire ICD volume passing through JN Port Terminals.
- (ii). The details of current mix of cargo being handled at JN Port terminals for the period from 15 February 2007 to 14 July 2007 are given below:

Month	Handling at JNPT (in TEUs)		
	Total	Mixed	% age
15 to 28 February 2007	35948	10236	28.47%
March 2007	78078	25259	32.35%
April 2007	72176	25532	35.37%
May 2007	76188	23985	31.48%
June 2007	75616	21213	28.05%
1 to 14 July 2007	38052	12028	31.61%
	376058	118253	31.45%*

\* rounded off to 32%

- (iii). There are variations in the handling cost at each of the terminal viz. JNPCT, NSICT, and GTIPL. Since the ITRHO services are common to all the three terminals, it is proposed to calculate an average base rate based on the rates prevailing in each of the terminal to arrive at a reasonable and appropriate new rate for the next six months. Accordingly, the revised average base rate works out to Rs.1260/- per TEU for carrying out the additional activities under ITRHO.

Terminal	Rate in Rupees
JNPCT	1105.00
NSICT	1144.00
GTIPL	1534.00
Average	1261.00*

\* Rounded off to Rs.1260/-

- (iv). Based on the revised base rate of Rs.1260/- per TEU, the new rate to be levied for the next six months from 15 August 2007 to 14 February 2008 will be as given below:

Projected total volume in TEUs	Expected ICD volume in TEUs (30% of A)	% of mixed cargo	Handling of mixed volumes in TEUs (in % of B)	Additional cost for mixed cargo (E=1260*D)	Levy of additional cost per TEU	Rounded off to (In Rupees)
A	B	C	D	E	F = E / B	G
3300000	990000	0-12	118800	149688000	151	150
		12.1-18	178200	224532000	227	230
		18.1-24	237600	299376000	302	300
		24.1-30	297000	374220000	378	375
		30.1-35	346500	436590000	441	440
		35.1-40	396000	498960000	504	500
		40.1-45	445500	561330000	587	560
		45.1-50	495000	623700000	630	630

- (v). The percentage of mixed trains supplied by CONCOR at JN Port Terminals from 15 February 2007 to 14 July 2007 are as follows:

Month	No. of trains handled at JNPT				
	Total	Mixed	%age	Dedicated	%age
15-28 Feb 07	215	166	77.21%	49	22.79%
March 2007	453	380	83.89%	73	16.11%
April 2007	442	381	86.20%	61	13.80%
May 2007	484	393	81.20%	91	18.80%
June 2007	465	366	78.71%	99	21.29%
1-15 July 07	233	205	87.98%	28	12.02%
Total	2292	1891	82.60%	401	17.50%

- (vi). The issue has been discussed in detail and the NSICT and GTIPL have given concurrence to the levy of Rs.440/- per TEU for ITRHO services.

- (vii). It is proposed to levy Rs.440/- per TEU on the entire volume of ICD containers passing through JN Port terminals towards ITRHO services for ICD containers from 15 August 2007 to 14 February 2008.
- (viii). Further, it is proposed to fix bench-mark level of turnaround time for mixed trains as 8 hours per train on an average, in consultation with the NSICT and GTIPL (the endeavor would, however, be to handle trains with least possible time) subject to the train operator fulfils the following:
  - (a). Provision of train forecast, advance train summary, the placement terminal at least 24 hours before train arrival.
  - (b). Placement of dedicated rakes at the respective terminals only.
  - (c). Balancing in ICD boxes handling as per the ICD volume of respective terminals.
  - (d). Correct and timely flow of information to respective agencies.
  - (e). The maximum ICD inventory of each terminal operator to not exceed 2500TEUs incase of JNPCT and GTIPL and 2000 TEUs incase of NSICT, for smooth operations by placing adequate number of trains in proportion to prevailing pendency level failing which it will have severe ramification on the principle of First In First Out (FIFO) during deliveries/ loading and train turn around time for which Port terminals cannot be held responsible.
  - (f). Provision of dedicated trains to the extent possible from/ to major ICD destinations like Ludhiana, Dadri, Nagpur etc. which comprises of 80% of the total ICD volume passing through JNPT.
  - (g). Plan the placement of the trains at a particular terminal in coordination with Railways and Port terminals depending upon the number of containers being carried to and fro on that train from that particular terminal for optimum utilisation of the resources.

3.2. Since the proposal dated 30 July 2007 filed by the JNPT for fixation of rate of Rs.440/- per TEU for the six month period did not contain the recommendations of the Core Committee constituted by the Port for this purpose, the JNPT was requested vide our letter dated 3 August 2007 to furnish the minutes of the meeting of the Core Committee and the recommendations of the Core Committee on the proposed rate.

4.1. After a reminder, the JNPT vide its letter dated 23 October 2007 has furnished its response, which is summarized below:

- (i). The core committee deliberated in detail on the matter of new rate to be levied from 15 August 2007 for ITRHO in the meeting held on 27 August 2007 and recommended to maintain the status quo to levy Rs.400 per TEU on entire ICD volume passing through JNPT terminals for a further period of 3 months from 15 August 2007 to 14 November 2007, till the issues are sorted out between the stakeholders.
- (ii). The principle of levy of Rs.400 per TEU on the entire ICD volume was arrived at by the core committee in consultation with the stakeholders as the actual additional cost involved while handling a mixed container by one terminal for the other terminal at Rs.1300/- per TEU was considered to be on the higher side and not acceptable to the trade.
- (iii). The very principle of computation of the handling cost per TEU on the entire ICD volume approved by the Authority is being questioned.
- (iv). Handling of mixed trains is inevitable. Terminals need to be compensated towards the handling cost for carrying out additional activity in handling a container arrived by a mixed train. This was agreed by all, prior to implementation of ITRHO.
- (v). There is phenomenal improvement in the average turn-around time of mixed trains and the dedicated trains.

- (vi). During the months of July and August 2007, 535 and 571 trains were handled, respectively, with only 50% track occupancy. On an average JNPT is handling 18 to 19 trains daily during July and August 2007 with 50% track occupancy. This indicates that port terminals can handle 25 to 30 trains daily without any difficulty, if supplied.
- (vii). (a). The average percentage of mixed container will be in the range of 38%. According to JNPT Scale of Rates, if 38% of mixed container is taken into account the new rate to be levied on each TEU will work out to Rs.500/- In line with the suggestion given by MANSA and in consultation with NSICT and GTIPL, it is proposed to add a tariff item as a separate item instead of levying a rate for ITRHO on a regular interval of 6 months. Accordingly, the change in tariff in the Scale of Rates for handling ICD containers at the three terminals will be as follows:

Terminal	Existing ICD Tariff		New ICD tariff* taking into account ITRHO charge to be levied considering 100% mixed trains.	
	20'	40'	20'	40'
JNPCT	1105.00	1657.00	1605.00	2657.50
NSCIT	1144.00	1716.00	1644.00	2716.00
GTIPL	1534.00	2301.00	2034.00	3301.00

\* These charges are inclusive of ITRHO charges @ Rs. 500/- per TEU While generation of 100% mixed trains is envisaged with 40% of container mix, there is every possibility of container mix exceeding 40% because of the imbalance between imports and exports generated / carried by the carrier from various ICDs which are mushrooming without sufficient potential.

- (b). If the container mix exceeds 40%, the terminals shall be permitted to levy handling charges per mixed container under ITRHO, instead of levying ITRHO charge on the entire ICD volume in accordance with the tariff of the respective terminal based on the additional activities performed while handling a mixed train. In that case, the ITRHO charge to be levied per mixed container for the terminals will be as follows:

Sr. No.	Additional activities	(Figures in Rs.)		
		JNPCT	NSCIT	GTIPL
1	Transportation to buffer yard	425	440	590
2	Off loading by RTGC at buffer yard (lift-off)	340	352	472
3	Loading on TT from buffer yard by RTGC (lift-on)	340	352	472
	Total	1105	1144	1534

- (viii). The scope of the core committee was limited to arrive at the additional cost involved in performing additional activity. Having arrived at the methodology to determine the cost per TEU based on the container mix for performing additional activity while handling mixed trains at the JNPT terminals, which was accepted by the TAMP and users, the defined job of the core committee is completed. The core committee will be dissolved with immediate effect.

4.2. In the light of the above, the JNPT has requested this Authority to accord approval for the following:

- (i). To maintain the status quo to levy Rs.400/- per TEU on entire ICD volume for a further period of 3 months from 15 August 2007 to 14 November 2007.

- (ii). (a). To levy the new rates for handling of ICD containers including ITRHO charges with effect from 15 November 2007 as per the table at paragraph 6.1. (vii) (a) above.
- (b). To levy handling charges for a mixed container as per the table at 6.1 (vii) (b) above, if the average percentage of container mix exceeds 40%.
- (iii). To include the above in the Scale of Rates of JNPT, NSICT and GTIPL.

5. During the proceedings before this Authority for approval of the rate of Rs.400 per TEU on ad-hoc basis the users argued that it is the responsibility of CONCOR to deliver the ICD containers to the designated container terminals. The CONCOR was requested to clarify its contractual obligation regarding delivery of ICD containers brought by mixed trains. The JNPT has contended that the CONCOR issues In Land Way Bill by clearly indicating the terminal where it is required to be delivered in the end and, therefore, it is the primary responsibility for the CONCOR to carry / load the container to the respective port terminals. The CONCOR has, however, maintained that the bill issued by CONCOR for rail transportation of containers is for delivery of containers to its final rail head destination. The railway siding is common for all the terminals namely JNPT, NSICT and GTIPL, and therefore, the responsibility of delivery of the containers to specific terminal lies with the port.

6. With reference to the totality of information collected during the processing of the case, the following position emerges:

- (i). The JNPT and the private terminals operating at JNPT are aware that the validity of the rate of Rs.400/- per TEU approved vide Order dated 28 June 2007 would expire on 14 August 2007. Despite the advice given to JNPT to file a proposal by 20 July 2007 for fixation of rate for the period subsequent to 14 August 2007 with the recommendation of the core committee, which recommended the rate of Rs.400/- per TEU, this Authority received a proposal from JNPT vide its letter dated 30 July 2007 for levy of rate of Rs.440/- per TEU that too without the recommendation of the core committee. Only upon pointing out the deficiency in the proposal dated 30 July 2007 of not having the recommendation of the core committee vide letter dated 3 August 2007, the port has initiated steps to obtain the recommendation of the core committee. The recommendations of the core committee were brought to the notice of this Authority in October 2007.
- (ii). (a). The CONCOR and the JNPT differ with reference to the contractual obligation of CONCOR regarding delivery of ICD containers brought by mixed trains to the designated container terminals. The JNPT is advised to sit with CONCOR and sort out the issue.
- (b). With reference to placement of trains, the JNPT has categorically stated that it does not impose any restriction on placement of trains on a particular line. As stated by the port, the railways have agreed to place the train in a particular line with the co-operation of the carrier.
- (iii). The JNPT vide its letter dated 23 October 2007 has, *inter alia*, proposed to maintain status-quo to levy Rs.400/- per TEU on the entire ICD volume for a period of 3 months from 15 August 2007 to 14 November 2007. It is noteworthy that the core committee, which earlier recommended the rate of Rs.400/- per TEU for the six months period from 15 February 2007 to 14 August 2007, has also recommended to maintain status-quo to levy Rs.400/- per TEU on the entire ICD volume passing through the terminals at JNPT for a further period of 3 months from 15 August 2007 to 14 November 2007, till the issues are sorted out by the stakeholders.
- (iv). (a). The rate of Rs.400/- per TEU approved earlier for the period from 15 February 2007 to 14 August 2007 and the present proposal of JNPT for extension of the rate of Rs.400/- for a further period of 3 months from 15 August 2007 to 14 November 2007 is a derived rate based on the aggregated charge of Rs.1300/- approved for isolated activities.

- (b). Since the tariff for isolated operations appearing in the Scale of Rates is not based on cost of providing individual services in reference, but derived on the strength of the overall cost/ revenue position of the Terminals, this Authority in its earlier Order approving ad-hoc rate for the period upto 14 August 2007, had directed the Port to file its proposal for the succeeding period with cost details. However, the proposal received now is not accompanied by any cost analysis but relies upon the tariff applicable for isolated operations and the proportion of mixed train. The relevant activities, which were assumed to be isolated requirements while fixing the respective Scale of Rates, are now being offered on a regular basis in case of handling mixed trains. There is, therefore, a need to review these rates with reference to cost of providing the services; and, as mentioned earlier, such an analysis is not made available by the Port. Nevertheless, recognising the fact that the concerned service is being offered by the Terminals and the core committee, which comprises representatives of the Terminals and main port users, has endorsed continuance of the existing ad-hoc rate till 14 November 2007, this Authority is inclined to extend the validity of the ad-hoc rate for some more time.
- (v). The proposal of JNPT for the tariff arrangement beyond 14 November 2007 is a slight deviation from the methodology followed earlier. More importantly, the proposal is not supported by any cost analysis, which is essential to justify the proposed rates. The proposal is, therefore, remitted back to JNPT with an advice to file a detailed proposal with cost analysis by 31 March 2008. When such a proposal is received, it will be processed following the usual consultation process.
- (vi). Even though the Port has proposed to continue with the earlier rate of Rs.400/- per TEU only till 14 November 2007, this Authority, considering the time required for processing the proposal to be filed by JNPT, decides to extend the validity of the existing rate till 30 June 2008.
- (vii). The other proposals of JNPT contained in its letter dated 23 October 2007 for tariff arrangement in respect of ICD containers moved by rail for the period after 14 November 2007 do not have the recommendations of the core committee. Hence, they are required to be taken up in a separate proceeding for disposal.

7. In the result, and for the reasons given above, and based on a collective application of mind, this Authority approves the following:

- (i). The validity of the rate of Rs.400/- per TEU towards Inter Terminal Rail Handling Operations of ICD Containers moved by rail at the terminal of JNPT, NSICT and GTIPL approved vide Order dated 28 June 2007 is extended for the period from 15 August 2007 to 30 June 2008. The Scale of Rates of JNPT, NSICT and GTIPL are amended accordingly.
- (ii). JNPT is directed to file a well-analysed proposal with cost details by 31 March 2008.

BRAHM DUTT, Chairman  
[ADVT III/4/143/07/Exty.]